चार साल हो गए, आर्थिक स्थिति डगमग, रेप रोज की कहानी, अब तो आवाज उठाइए

साल 2014 के लोकसभा चुनावों में पार्टी की जीत के लिए हम सभी ने बहुत कठिन परिश्रम की है। हम में से कुछ लोगों ने साल 2004 से 2014 तक केंद्रीय सत्ता पर काबिज यूपीए सरकार के शासन के खिलाफ हर मोर्चे पर संसद से लेकर सड़क तक संघर्ष किया है जबकि कुछ लोग राज्य मुख्यालयों में सत्ता का आनंद उठा रहे थे। जब 2014 में अप्रत्याशित चुनावी नतीजे आए, तब लगा कि यह देश के इतिहास में नया स्वर्णिम अध्याय लिखेगा। तब हम सभी लोगों ने प्रधानमंत्री और उनकी टीम में पूरा भरोसा जताया और उन्हें पूरा समर्थन और सहयोग दिया। अब इस सरकार ने करीब चार साल पूरे कर लिए हैं और इस दौरान पांच बजट पेश कर लिए हैं। इसके अलावा सरकार ने उपलब्ध सभी अवसरों का इस्तेमाल कर लिया है पर परिणाम निराशाजनक रहे हैं। अंतत- यही लगता है कि हम अपने रास्ते से भटक चुके हैं, मतदाताओं का विश्वास खो चुके हैं।

देश की आर्थिक स्थिति डगमग है, जबकि मौजूदा सरकार लंबे-लंबे दावे कर रही है कि हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था हैं। किसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के बैंकों में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) इस तरह जमा नहीं होती हैं, जैसा कि पिछले चार वर्षों में हुआ है। किसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में किसान तनावपूर्ण, युवा बेरोजगार, छोटे कारोबारी बर्बादी के कगार पर और बचत व निवेश निराशाजनक तरीके से नहीं गिरा करते हैं, जैसा पिछले चार वर्षों में होता आ रहा है। अब इससे बदतर स्थिति क्या होगी? भ्रष्टाचार ने फिर से अपना बदसूरत सिर उठा लिया है और बैंकों में एक के बाद एक घोटाले उजागर हो रहे हैं। इतना ही नहीं घोटालेबाज बड़ी आसानी से देश से भागने में सफल भी हो रहे हैं और सरकार असहाय होकर निहारती रह जाती है।

महिलाएं पहले से भी ज्यादा असुरक्षित हो गई हैं। रेप आज हर दिन का कहानी बन गई है और बलात्कारियों के खिलाफ सख्ती से कदम उठाने के बजाय हम उसके समर्थक बन गए हैं। कई मामलों में हमारे अपने लोग ऐसे घृणित कार्य में शामिल रहे हैं। अल्पसंख्यक सहमे हुए हैं। सबसे खराब बात यह है कि अनुसूचित जाति-जनजाति और समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के खिलाफ अत्याचार और भेदभाव बढ़ने के मामले बढ़ गए हैं, जो पहले कभी नहीं हुआ था। संविधान प्रदत्त सुरक्षा की गारंटी भी खतरे में पड़ गई है। हमारी विदेश नीति का कुल योग प्रधानमंत्री द्वारा लगातार विदेशी यात्राओं और उनके समकक्ष विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को गले लगाने तक सीमित हो गया है, भले ही इसे वो पसंद करते हों या ना। हम अपने पड़ोसी देशों के साथ भी मधुर संबंध बनाए रखने में विफल रहे हैं। चीन अक्सर हमारे हितों को काटता दिख रहा है। बड़ी सूझ-बूझ और जोखिम उठाकर भारतीय जवानों द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक भी बेअसर साबित हुई है, पाकिस्तान लगातार आतंक की खेप निर्यात कर रहा है और हम असहाय होकर सिर्फ देख रहे हैं। जम्मू-कश्मीर फिर से जलने लगा है। हर आम आदमी पीड़ित है जैसा कि पहले कभी नहीं था। पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र पूर्णत- ध्वस्त हो चुका है। पार्टी के मित्र व सहयोगी बताते हैं कि संसदीय दल की बैठक में सांसदों को बोलने का मौका तक नहीं दिया जाता है, जैसा कि पहले होता रहा है, लोग अपनी बात बैठक में रखते रहे हैं। अन्य दलों में भी संवाद अमूमन एकतरफा ही होता है। वे बोलेंगे और आपको सुनना होगा। प्रधानमंत्री के पास भी आपके लिए समय नहीं है। पार्टी मुख्यालय भी कॉपोरेट दफ्तर बन गया है, जहां सीईओ से मुलाकात असंभव है। पिछले चार वर्षों में जो सबसे बड़ा खतरा उभरा है वो हमारे लोकतंत्र के लिए है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की मर्यादा को कमतर और बदनाम किया गया है। संसद एक मजाक बनकर रह गया है। बजट सत्र में संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और संसद चलाने के लिए उपाय पर प्रधानमंत्री ने विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बार भी बैठना उचित नहीं समझा बल्कि उन्होंने इसके लिए विपक्ष पर आरोप मढ़ना उचित समझा। बजट सत्र के पहले पार्ट को सबसे छोटा रखा गया था। जब इसकी तुलना अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के शासन से करता हूं तो पाता हूं कि उन दिनों वाजपेयी जी का हमलोगों को सख्त निर्देश होता था कि विपक्ष के साथ हर हाल में सद्भाव बनाकर रखा जाय ताकि संसद सुचारू रूप से चल सके। इसलिए हमारे सामने संसदीय नियमों के तहत विपक्ष ने अक्सर स्थगन प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव और अन्य चर्चाएं सदन में पेश की थीं। सुप्रीम कोर्ट के चार सबसे सीनियर जजों द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस करना देश के न्यायिक इतिहास में अप्रत्याशित घटना रही है। इससे हमारे देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था में टकराव की बात स्पष्ट तरीके से उजागर हुई। इन जजों ने बार-बार कहा कि हमारे देश में लोकतंत्र खतरे में है।

नवयुवकों के सहारे 2020 की राजनीतिक बैतरणी पार करने की कोशिश में नीतीश,

आज देश में युवाओं की लगातार बढ़ती आबादी की तरफ तमाम राजनीतिक पार्टियों का ध्यान केंद्रित है। युवाओं को फोकस में रखकर कई योजनाएं बनायी गयीं हैं और उनपर काम चल रहा है। युवाओं की शिक्षा, उनके स्वास्थ्य और रोज़गार के लिए उन प्रयासों का बहुत असर देखने को भी मिला है। हालांकि साक्षरता के मामले में दूसरे राज्यों की तुलना में बिहार थोड़ा पीछे है। वर्ष 2011 की जनसंख्या के मानक पर बिहार की साक्षरता दर जहां 63.82 फीसदी थी तो तमिलनाडु जैसे राज्यों की 80.33 फीसदी आबादी साक्षर होकर हमारे सामने कई सवाल पैदा करती रही हैं। आजादी के बाद से लगातार युवाओं की बढ़ती आबादी को देश में मानव संसाधन के तौर पर बखूबी इस्तेमाल नहीं किया जा सका जिससे आज बिहार समेत देशभर में बड़ी युवा आबादी बेरोज़गारों की कतार में खड़ी हैं। अनुमान के मुताबिक वर्ष 2012 से 2026 की अवधि में देश के कई राज्यों की जनसंख्या में कार्यशील लोगों की संख्या का अनुपात बढ़ेगा वहीं केरल एवं तमिलनाडु जैसे राज्यों में यह अनुपात घट सकता है। इस दौरान बिहार में युवाओं का अनुपात सबसे ज्यादा होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार युवा शक्ति को लेकर काफी संजीदा रहे हैं लेकिन देश में युवाओं के लिए रोज़गार के सवाल पर प्रधानमंत्री लगातार आलोचनाओं को झेलते रहे हैं और मोटे अनुमान के मुताबिक साल 2017 तक तकरीबन 40 करोड़ 84 लाख से ज्यादा बेरोज़गार युवा आबादी देश की तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे हैं। मैककिंसी ग्लोबल इंस्टिट्यूट के मुताबिक, साल 2011 से 2015 के बीच खेती से जुड़े रोजगार 2 करोड़ 60 लाख तक सीमित हो गए जबकि गैर-कृषि रोजगार का आंकड़ा बढ़कर 3 करोड़ 30 लाख तक पहुंच गया। हालांकि इस आंकड़े में तमाम तरह की बेरोज़गार आबादी शामिल है लेकिन गौर करने वाली बात ये भी है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार और उड़ीसा में बेरोज़गारों की संख्या में थोड़ी कमी देखने को मिली लेकिन ये साफ नहीं हो पाया कि आखिर युवा नौकरियों को लेकर गंभीर नहीं हैं या फिर वे उद्यमी बनने की राह पर निकल पड़े हैं। श्रम मंत्रालय की 2016 की रिपोर्ट के मुताबिक टेक्सटाइल्स और ऑटोमोबाइल्स समेत आठ क्षेत्रों में रोजगार पैदा होने की गति पिछले सात सालों में सबसे कम रही है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 1 करोड़ 20 लाख भारतीय हर साल वर्कफोर्स का हिस्सा बनते हैं। कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार अपना सर्वाधिक महत्वाकांक्षी रोजगार सर्वेक्षण करवा रही है। इससे पूरे देश में अब तक पैदा हुए रोजगार की स्थिति स्पष्ट होगी। इससे प्रधानमंत्री को भी 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले अजेंडा तय करने में मदद मिलेगी क्योंकि प्रधानमंत्री ने 2014 के आम चुनावों में हर साल 1 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था लेकिन असली तस्वीर कुछ और ही बयां कर रही है। इधर, बिहार में लगातार बेरोज़गारों की कम होती संख्या ने सरकार को नई ऊर्जा दी है क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों में पिछड़े बिहार को मानव संसाधन के रूप में तरक्की का नया रास्ता मिला है।

वोइथ ने वडोदरा स्थित फैक्ट्री का विस्तार किया

अहमदाबाद : वोइथ जो एक सिस्टम प्रोडक्ट्स का व्यापक पोर्टफोलियो युक्त ग्लोबल टेक्नोलोजी ग्रुप है। जो उर्जा, एनर्जी, ऑइल एन्ड गैस पेपर, कच्ची सामग्री, परिवहन एवं डिजीटल सॉल्युशन में अनेक स्तर पर पहुंचा है। वर्ष 2017 में कंपनी ने नयी जनरेशन के प्रेरणारुप टेक्नोलोजी उपलब्ध कराने के वचन के साथ 150वां जन्मदिन मनाया।

भारत में सफल कामकाज का लंबा इतिहास रखनेवाली कंपनी वर्ष 1911 से भारतीय उपखंड एवं आसपास के विस्तार में तथा दक्षिण पूर्व एशिया तथा आफ्रिका तक अपने कारोबार का नेटवर्क बढ़ा रही है। वोइथ ने वर्ष 2010 से अपने वडोदरा स्थित कारखाने में हाइड्रो पावर इक्विपमेंट के क्षेत्र में पूंजी निवेश किया। इस प्लान्ट से उन्होंने गुणवत्ता के अन्तरराष्ट्रीय स्तरों की अनुपालना कर हाइड्रो इक्विपमेन्ट विश्वभर में सप्लाई किया। जिसमें अमेरिका, पश्चिम युरोप, जपान, एसईए तथा आफ्रिका सहित के देशों का समावेश होता हैं । अपने प्रोडक्ट्स रेन्ज तथा बजार का विस्तरण कर वोइथ हाइड्रो ने अपनी इस फैक्ट्री में गत वर्ष और भी पूंजी निवेश किया।1867 से वोइथ का ग्रुप डिवीजन, वोइथ हाइड्रो अद्यतन टेक्नोलोजी मुहैया करा रहा है।

इस नये युनिट का उद्घाटन समारोह वोइथ हाइड्रो होल्डिंग जीएमबीएच एन्ड कंपनी के एग्जीक्युटिव वाइस प्रेसीडेन्ट ऑपरेशन तथा बोर्ड ओफ मैनेजमेंट के सदस्य डॉ. तोबियास केइटेल ने किया और कहा कि भारत सरकार की पहल मेक इन इंडिया की भावना के मामले अपना पुनरोच्चार किया। (19-1)

पेस कॉस्मेटिक इंडिया ने नयी सिल्की मॉ लिपस्टीक प्रस्तुत की

अहमदाबाद : इन गरमी के दिनों में इसका पिगमेंटेड कलर्स तथा सरल एप्लीकेशन के साथ आप मेट इफेक्ट के साथ एलिगंट फिनिश में खो जाएंगे। सिल्की मेट लिपस्टीक एक सुखद नरम तथा क्रिमी अनुभूति करायेगा जबकि लोंग लास्टिंग टेक्स्चर लंबे समय तक रहेगा। सिल्की मेट लिपस्टीक 10 आकर्षक कलर्स में उपलब्ध है।

लिक्विट लिपस्टीक सिल्की मेट भावनायुक्त मेट लिप्स लंबे समय तक रहेगा। मेट फिनिश के साथ अच्छी चले ऐसी लिपस्टीक , अत्यंत घनिष्ठ कलर पेलेट हल्का, सुखद पाउडर फार्म्युला एप्लीकेशन लगाने के एक मिनट बाद, लिपस्टिक घनिष्ठ मेट कलर के साथ आपके फेस में खिंचाव आयेगा और ओठों के नीचे के भाग को सूखने भी नहीं देगा उसके सामने सुरक्षा प्रदान करेगा। इसकी कीमत 1299 रूपए है।-

शहर के उत्तरीय क्षेत्र में नोर्थ वे प्रोपर्टी एक्स्पो 2018 का आयोजन

अहमदाबाद : अदभूत शहर अहमदाबाद चार जोन उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम जोन में बटा हुआ है। जो तेजी से विकसित हो रहा है और हजारों एकड जमीन में फैला हुआ है। शहर का उत्तर भाग भी अब तेजी से विकसित हो रहा है और यहां अनेक नये रिहायशी कॉम्प्लेक्स और कॉमर्शियल हब बन रहा है। यहां मेट्रो जैसी नयी सुविधाएं भी तेजी से विकसित हो रही है और शहर के अन्य लेन्डमार्क जैसे कि नेशनल हाई-वे, एयरपोर्ट होस्पिटालिटी के साथ कनेक्टीविटी अब भी भविष्य में बढ़ेगी। इसके अलावा अनोखा मॉडर्न स्टेडियम भी शहर के अन्य लेन्डमार्क समान है। उत्तरीय विस्तार में हो रहे विकास और प्रगति अंतर्गत की जागरूकता फैलाने के लिए सिटी स्पर्श इवेन्ट द्वारा नोर्थवे प्रोपर्टी एक्स्पो 2018 अहमदाबाद में आयोजित किया गया है। इस एक्जीबिशन में 40 से अधिक डेवलपर्स शामिल हो रहे है। प्रोपर्टी शो का आयोजन अप्रैल में आयोजित होगा। इस शो में 100 से अधिक प्रोपर्टीज 40 से अधिक डेवलपर्स ने प्रस्तुत की थी। (19-8)

हर सांस के बदलता अस्थमा

अहमदाबाद : 60 वर्ष पूर्व थेराप्युटिक क्रांति आयी है, जिससे लाखों लोग मुक्त रुप से सांस ले सके , इन साठ वर्ष में अस्थमा ने मरिजो और समाज के मन में नकारात्मक विचार ढूंढने से लेकर आसानी से नियंत्रित किया जा सकता रोग तक की लम्बी मंजिल काटी है। दर्ज इतिहास के प्रारंभ से सांस लेने में तकलीफ होना सभी को मालूम है। निदान की मुख्य चिंता थी , क्योंकि सर्दी और सांसों के लक्षणों के लिए अधिकांश टीबी के रूप में मान लेते है। जो 1970 तक देखने मिलता था उपर से बीमारी का सीमित ज्ञान और समझदारी ने निदान को उलझन में डाल दिया।

वर्ल्ड अस्थमा डे के अवसर पर बोलते हुए अपोलो होस्पिटल के सिनियर कन्सल्टन्ट पमोनोलोजिस्ट डॉ. काश्मीरा झाला ने बताया कि आज इनहेलेशन थेरपी अस्थमा के लिए उपचार का मुख्य हिस्सा है। इनहेल्ड की गयी औषधी अस्थमा जैसे सांस के रोग की देखरेख का आंतरिक भाग है। जो सीधा ही फैफड़े को दवा देता है, जो तेजी से काम करती है जिससे डोज भी कम देना पड़ता है और इसके साइडइफेक्ट भी कम है। इन दवाइयों से जीवन की गुणवत्ता भी सुधरती है। (19-10)

डीपीएस बोपल के 2000 छात्रों ने सामूहिक रुप से गांधी विचार की परीक्षा दी

अहमदाबाद : नवजीवन ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी विवेक देसाई ने आयोजित पत्रकार गोष्ठी में बताया कि 2019 में महात्मा गांधी की 150 वीं जन्मजयंती गुजरात सहित देशभर में मनायी जाएगी। गांधीजी स्थापित नवजीवन ट्रस्ट द्वारा गांधी की आत्मकथा सहित गांधीजी लिखित तथा गांधी विचार धारा से जुड़े देश के महानुभाव लिखित विविध पुस्तकों का प्रकाशन एवं बिक्री होती है। गांधी गुजरात में पैदा हुए और उन्होंने साबरमती के तट से आजादी का बिगूल बजाया था, जिसे हम सभी जानते है। लेकिन अब गांधी के इस विचार को डीपीएस के 2000 छात्र गांधी परीक्षा देकर आगे बढ़ा रहे है।

लेकिन गुजरात और गुजरातियों का दुर्भाग्य है कि देश एवं समग्र विश्व जब महात्मा गांधी को सम्मान देने लगा और उनके रास्ते चलने लगा तब इस दिशा में गुजरातियों के कदम धीरे से आगे बढ़े । जिसका उदाहरण गांधी की आत्मकथा के आंकड़े है। गांधी की आत्मकथा भारत की 17 भाषाओं में है लेकिन अन्य भाषा की गांधी की आत्मकथा की बिक्री गुजराती भाषा की तुलना में अनेक गुना ज्यादा है।

1960 में गुजरात का अलग अस्तित्व आने बाद तमाम सरकारो ने भी गांधी विचारों के प्रचार के लिए कुछ नहीं किया, ऐसा कह सकते है। जबकि गुजरात सिवाय की राज्य सरकारों ने अपने स्कूल और कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी गांधी को जाने और समझे , इसके लिए लाखों पुस्तक खरीदकर बच्चों के हाथ में गांधी को उतार दिया। जबकि 2019 में गांधी की 150वीं जन्मजयंति मनाई जा रही है, ऐसे में नवजीवन ट्रस्ट द्वारा व्यक्तिगत रुप से एक छोटे से प्रयास से शुरू किया है। जिसे सफलता मिलें ऐसा ट्रस्ट प्रयास कर रहा है। (22-1)

सेवा एकेडमी द्वारा जर्मनी के डीजीबी बी - डब्ल्यु सहित के प्रोजेक्ट के 9 वर्ष को मनाया

अहमदाबाद : इंडियन एकेडेमी फॉर सेल्फ एम्प्लोइड वुमन कि जो सेवा एकेडमी के रुप में जानी जाती है। जिसका प्रारंभ अनौपचारिक इकोनोमी में से आनेवाली महिलाओं में से अग्रणी महिलाओं की केडर्स बनाने तथा उनका युनियन और लोकतांत्रिक सदस्य आधारित संस्था बनाने संगठित करने के हेतु से हुआ था। आज अन्तरराष्ट्रीय लेबर डे, गुजरात डे और सेवा का स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इंडियन एकेडमी फॉर सेल्फ एम्प्लोइड वुमन (सेवा एकेडमी) अनौपचारिक इकोनोमी के लिए महिलाओं की आवाज और उनकी पहचान को मुख्य प्रवाह में स्थापित करने के लिए मनाया जा रहा है। इंडियन एकेडमी फॉर सेल्फ एम्प्लोइड वुमन की डायरेक्टर नम्रता बाली ने डिजीबी बी- डब्ल्यु के अधिकारी तान्जा शिन्डेवोल्फ, बार्बरा फिगे, सुसान लुडविग तथा इंदिरा गार्टनबर्ग को स्वागत किया।

इंडियन एकेडमी फॉर सेल्फ एम्प्लोइड वुमन की डायरेक्टर नम्रता बाली ने बताया कि हमनें जर्मनी के डीजीबी बी- डब्ल्यु के साथ प्रोजेक्ट के 9 वर्ष पूर्ण होने की सफलता को मना रहे है। इस प्रोजेक्ट से हम लोगों को शहरी तथा ग्रामीण विस्तार की युवा एवं वृद्ध महिलाओं द्वारा गठित इन्फोर्मल इकोनोमी में से 120270 महिलाओं तक पहुंचनें का मौका मिला जिसका प्रभाव इस तरह बढ़ा कि इन महिलाओं में से 40 प्रतिशत महिलाओं को मिला ज्ञान पड़ोसी-समुदाय- गांव की महिलाओं तक पहुंचाया है। (19-8)

भारत देश गैस आधारित अर्थतंत्र की दिशा में, विषय पर पीडीपीयु में ओपन हाउस आयोजित

अहमदाबाद : भारत देश गैस आधारित अर्थतंत्र किस तरह बन सकता है इस अंतर्गत का विचार- विमर्श करने गांधीनगर स्थित पंडित दिनदयाल पैट्रोलियम युनि. (पीडीपीयु) में ऑपन हाउस सेशन आयोजित किया गया। जिसमें इन्टरनेशनल गैस युनियन के प्रेसिडेन्ट एवं गेस टेकनोलोजी इन्स्टी.(जीटीआई) के सीइओ डेविड केरोल मुख्य महेमान के रुप में उपस्थित थे।

पीडीपीयु अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त संस्था है, कि जो भविष्य के संशोधन एवं नवीनतम फाउण्डेशन पर आधारित श्रेष्ठ शिक्षा एवं प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं। पीडीपीयु मुख्यत: एनर्जी इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट के क्षेत्र में कार्यरत है। युनिवर्सिटी मुख्यत: ऑइल एवं गैस, एनर्जी एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर जेसे क्षेत्र में वर्चस्व रखता है। पीडीपीयु में विविध उत्तम केन्द्र भी है। जिसमें सिमेन्स सेन्टर ऑफ एक्सीलन्स, सेन्टर ऑफ एक्सीलन्स इन जीयोथर्मल एनर्जी, इनोवेशन एन्ड इन्क्युबेशन सेन्टर, सोलार रिसर्च एन्ड डेवलपमेंट सेन्टर, सेन्टर फॉर बायोफ्युअल्स एन्ड बायोएनर्जी स्टडीज, सेन्टर ऑफ एक्सीलन्स इन क्लायमेट चेन्ज एनर्जी एफीसियफेन्सी एन्ड सेविंग इनिशियेटिव का समावेश होता है। अगस्त 2017 में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयोजित की वैश्विक सीइओ की बैठक में गैस टेक्नोलोजी इन्स्टीट्यूट, इलीनोइस एवं पंडित दिनदयाल पेट्रोलियम युनि., गांधीनगर के बीच गठबंधन हो ऐसी इच्छा व्यक्त की। जिससे भारत में नेचरल गैस का विकास संभावित हुआ, इस संदर्भ में आयोजित ओपन हाउस में इन्टरनेशनल गैस युनियन के प्रेसिडेन्ट एवं जीटीआई के सीइओ डेविड केरोल मुख्य महेमान पद पर उपस्थित थे। (22-1)

सलमान खान कहते हैंए जिसे जिंदगी सिखाये उसे कौन हराये

भारतीय टीवी पर दस का दम में दमदार डेब्यू के नौ साल बाद सलमान खान फिर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन सेट पर वापसी कर रहे हैं। शो में औसत भारतीय की ष्पॉवर ऑफ ऑब्जर्वेशन को केंद्रबिंदु में लेकर चैनल ने जिसे जिंदगी सिखाये उसे कौन हराये कैम्पेन जारी किया है। सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल और अवार्ड विनिंग कौन बनेगा करोड़पति कैम्पेन के पीछे रहे क्रिएटिव जीनियस नितेश तिवारी ने इस कैम्पेन की परिकल्पना की है और उसे डायरेक्ट भी किया हैए जबकि निखित मेहरोत्रा ने इस कैम्पेन में सह.लेखक के नाते भागीदारी की है।

कैम्पेन का कोर यह विचार है कि लोग अपने अनुभवों से सीखते हैं। अलग.अलग परिस्थितियों में अन्य लोगों के व्यवहार से भी उन्हें सीख मिलती है। यह वास्तविक ध्रोजमर्रा की जिंदगी के अनुभव उनकी राय और विचारों की नींव बनते हैं। हर विज्ञापन फिल्म में एक कंटेस्टेंट दिखाया जाएगाए जिसे उसकी ऑब्जर्वेशन स्किल के आधार पर टेस्ट किया जाएगा। यह अनुमान लगवाया जाएगा कि भारतीय क्या सोचते हैं या वास्तविक जीवन की परिस्थिति में क्या करते हैं। (19-8)

संपादक-चुनीलाल एस. भट्ट, मुद्रक एवं प्रकाशक-मयुर सी. भट्ट, प्रकाशन स्थल-201, 202, 208 नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली, अहमदाबाद-6. मालिक-कल्याणी पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा महादेव ऑफसेट, एच-47, रवि एस्टेट, रूस्तम मिल कम्पाउंड, दूधेश्वर, अहमदाबाद में छपवाकर प्रकाशित किया। फोन-26568477, 26409779. E : alpaviram1@yahoo.com

बैद्यनाथ आयुर्वेद पेश करता है तुलसी का रस तुलसी अर्क

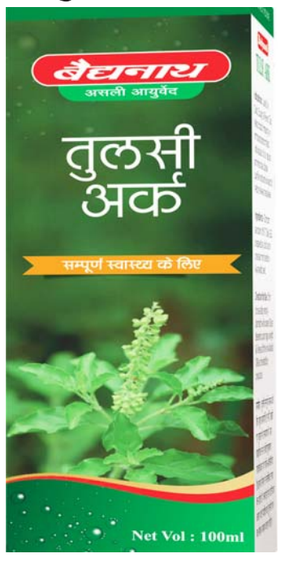

आयुर्वेद की दुनिया में एक सदी पुरानीझांसी की बैद्यनाथ बेहद भरोसेमंद और 700 श्रेणियों की उत्पादों के साथ सबसे बड़ा उत्पादक है। ग्राहकों की पसंद में बदलाव और प्राकृतिकए जैविक और आयुर्वेदिक उत्पादों की ओर युवाओं के बढ़ते रूझान को देखते हुए बैद्यनाथ ने स्वास्थ्य और औषधीय उपचार के लिए लाभकारी पवित्र तुलसी का रस तुलसी अर्कष् लांच किया है।

1917 में स्थापित बैद्यनाथ आयुर्वेद ने हाल ही में 100 साल पूरा किया है। कंपनी ने आधुनिक शोध और विनिर्माण तकनीकों के साथ प्राचीन जाननकारी को फिर से स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाईहै। बैद्यनाथ आयुर्वेद कुछ दिन पहले ही प्राकृतिक जूसए जैविक मसालोंए रासायनरहित सौंदर्य प्रसाधनों और जड़ी.बूटी आधारित न्यूट्रास्यूटिकल्स के साथ एफएमसीजी बाजार में उतरा है। बैद्यनाथ ने कुछ दिन पहले ही अपने उत्पादों के प्रदर्शन और खुदरा बिक्री के लिए राष्ट्रीय राजधानी में एक विशेष स्टोर खोला है। (1-7)

सूचना
कृपया आपके विज्ञापन व समाचार हमारे निम्न लिखित ई-मेल पर ही भेंजे :
alpaviram@gmail.com